

8578

पञ्चवली राजान्व लोक अदालत के समक्ष

राजस्थान लोक अदालत

के समक्ष। श्रीमती सुश्री मया दीन देव
से उपस्थित। प्रतिवादी के पक्ष में से उपाधी

न्याय आपके द्वार 2018

प्रतिवादी पञ्चवली एवं पञ्चवली पर उपमहेश खिंड
का अवधि काल सिद्धांत। वास्तव में श्री सुश्री मया

देवी दीन देव (ब.नं. 358/509) राजस्थान
013 ई. श्री माया मन्दा श्रीनी राजवती के जन्म

राजस्थान सिद्ध में दर्ज है। मन्दा श्रीनी राजवती
शाश्वत जन्मादिग है। माया मन्दा श्रीनी मया

प्रतिवादी से अतिरिक्त काल के राजवती के
वर्ष का कोई आधिकार नहीं है। प्रतिवादी द्वारा

वास्तव में पञ्चवली का जन्म राजवती की जानकारी वादी
के दायरे पर दिनांक 18-8-17 को कति देवी मया दीन

प्रतिवादी श्री द्वारा श्रीमती मया देवी मया

राजस्थान लोक अदालत
जयपुर

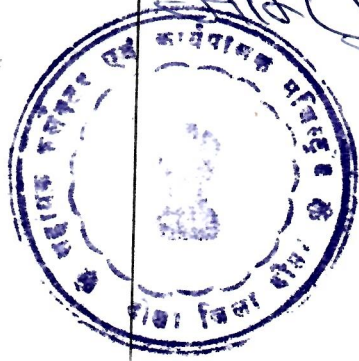
तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

राजस्थान लोक अदालत
न्याय अधिकार

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए
आपके द्वार 2018

बनाना आपा जिनके पर पाबंद है कि प्रतिवादी
कोय जगिनदा श्री सीतारामजी की भूमि पर
अनधिकृत रूप से कब्जा कर लिया गया है,
जिनके अदालत किया जाना न्याय है,
आवश्यक है। जगिनदा श्री सीतारामजी शाश्वत
नज्वाग है, किसे हिसा में रखा जाना भूमि
एकि. एवं न्याय के अंशद्वारा है। जगिनदा
जगदी की भूमि पर प्रतिवादी का कोई इकठ
काधिकार नहीं है। अतः जगदी का वाद
विचार किया जाता है तथा बंदनीनपा
दाल में आदेश दिया जाता है कि जगिनदा
जगदी श्री सीतारामजी की भूमि न्याय
कोय बंदनीनपा दाल न्याय न.स. 352/509
अदालत किया जावे। पर्या देडी जारी है।
उक्त न्याय न्याय न्याय न्याय न्याय
गया है। निर्णय न्याय न्याय
यान्दाल के मामले आप में लिखवाया
गया।



जायसिंह
8-5-18
अध्यक्ष कलक्टर
दाल